NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th
Subject : हिन्दी
Chapter : 16
Chapter Name : वन के मार्ग में

Q1 नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई?
Answer कुछ देर चलने के बाद शहर से बाहर सीता माता थक गयीं उनके माथे पर पसीना और होंठ सूखने लगे। उन्हें प्यास लगने लगी।

Page : 116, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए।

Q2 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्नकुटी कहाँ बनाइएगा'-किसने, किससे पूछा और क्यों ?
Answer.बहुत देर चलने के बाद जब सीता जी थक गई तो उन्होंने श्री राम से पूछा कि पर्णकुटिर कहाँ बनाइयेगा।

Page : 116, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए।

Q3 राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की?
Answer. श्रीराम ने जब देखा कि सीता थक चुकी हैं, तो वह बहुत देर तक बैठकर अपने पैरों से काँटे निकालने का नाटक करते रहे, जिससे सीता को कुछ देर आराम करने मिल जाए और उनकी थकान कम हो जाए,जिससे वह कुछ आगे बिना किसी रुकावट के चल सके ।

Page : 116, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए।

Q4 दोनों सवैयों के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट करो।

Answer.
पहले सवैये में वन जाते समय सीता जी की व्याकुलता एवं थकान के बारे में बताया गया है। उन्हें अपने लक्ष्य के बारे में जानने को लेकर उत्सुक दिखाया गया है। सीता की ऐसी हालत देखकर श्रीराम जी भी दुखी हो जाते हैं।सीता नगर से बाहर कदम रखते ही कुछ दूर जाने के बाद काफ़ी थक जाती हैं। उन्हें पसीना आने लगता है और उनके होंठ सूखने लगते हैं। वे जिज्ञासा से श्रीराम से पूछती हैं कि अभी और कितना चलना शेष है तथा पुनर्कुटी कहाँ बनाना है? इस तरह सीता जी को विचलित देखकर श्रीराम की आँखों में आँसू आ जाते हैं। दूसरे सवैये में श्रीराम और सीता की दशा का मर्मभेदी चित्रण है। इस प्रसंग में श्रीराम व सीता जी के प्रेम को दर्शाते हुए कहा गया है कि कैसे श्रीराम सीता के थक जाने पर अपने पैरों के काँटे निकालने का अभिनय करते हैं और सीता जी श्रीराम का अपने प्रति प्रेम देखकर पुलकित हो जाती हैं।

Page : 116, Block Name : निम्नलिखित प्रसंगों में अंतर स्पष्ट लिखिए।

Q5 पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन अपने शब्दों में करो।

aglasem.com

Answer.वनमार्ग बेहद कठिन और मुश्किलों से भरा था। इसके रास्ते मे काटें ही कांटे थे। अगर संभलकर न चलो तो कांटा चुभ सकता था, वहाँ रहने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं था। वह खाने में कंद मूल के सिवा कुछ भी नहीं था। पानी मिलना भी मुश्किल था, चारों तरफ सुनसान जंगल तथा असुरक्षा का वातावरण था।

Page : 116, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q1 गर्मी के दिनों में कच्ची सड़क की तपती धूल में नंगे पांव चलने पर पांव जलते हैं। ऐसी स्थिति में पेड़ की छाया में खड़ा होने और पाँव धो लेने पर बड़ी राहत मिलती है। ठीक वैसे ही जैसे प्यार पानी मिल जाए और भूख लगने पर भोजन। तुम्हें भी किसी वस्तु की आवश्यकता हुई होगी और वह कुछ समय बाद पूरी हो गई होगी। तुम सोच कर लिखो की आवश्यकता पूरी होने के पहले तक तुम्हारे मन की दशा कैसी थी?

Answer. किसी चीज़ के लिए तड़पते रहना, उसको पाने के लिए बिल्कुल लालायित रहना दुनिया का सबसे कठिन काम है। हर वक़्त दिल- दिमाग उसी पर टिका होता है। किसी ऐसे चीज़ को पाने के इंतजार में जिसके लिए आप बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हो, अपने आप मे व्याकुल कर देने वाला अनुभव होता है। हर वक़्त दिमाग मे वही बातें चल रही होती है।

Page : 116, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 लखि- देखकर धरि- रखकर
पोंछि- पोंछकर जानि- जानकर

ऊपर लिखे शब्दों और उनके अर्थों को ध्यान से देखो। हिंदी में जिस उद्देश्य के लिए हम क्रिया में 'कर' जोड़ते हैं, उसी के लिए अवधि में क्रिया में 'इ' जोड़ा जाता है, जैसे-अवधी में बैठ+इ= बैठि और हिंदी में बैठ+कर=बैठकर। तुम्हारी भाषा या बोली में क्या होता है? अपनी भाषा के ऐसे 6 शब्द लिखो।उन्हें ध्यान से देखो और कक्षा में बताओ।

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 116, Block Name : भाषा की बात

Q2 "मिट्टी का गहरा अंधकार, डूबा है उसमें एक बीज।"
उसमे से एक बीज डूबा है।

जब हम किसी बात को कविता में कहते हैं तो वाक्य के शब्दों के क्रम में बदलाव आता है, जैसे-"जहां घरीक ह्वै ठाढे" को गद्य में ऐसे लिखा जा सकता है" छाया में एक घड़ी खड़ा होकर"। उदाहरण के आधार पर नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को गद्य में शब्द क्रम में लिखो।

Answer.

1) पुर तें निकसी रघुबीर-बधू- आयोध्या से सीता माता जाने के लिए निकली

2) पुट सूख गए मधुराधर वै- वो मधुर होंठ सूख गया

3) बैठि बिलंब लौ कंटक काढ़े- बहुत देर तक बैठकर राम जी कांटे निकाल रहे थे।

4) पर्णकुटी करिहौं कित ह्वै?- पर्णकुटिर कहाँ बनाएँगे?

Page : 116, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com